दारा शिकोह

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा दारा शिकोह को सामाजिक समरसता का पथ प्रदर्शक बताया गया।

उपराष्ट्रपति ने, नई दिल्ली में दारा शिकोह के **"मजमा उल-बहरीन"** के अरबी संस्करण का विमोचन करने के बाद ,एक सभा को संबोधित करते हुए, कहा कि भारत के पास न केवल दूसरों के विचारों के लिए 'सहिष्णुता' की गौरवशाली विरासत है, बल्कि एक अनूठी संस्कृति भी है। यहाँ सभी संस्कृतियों में बहुलवाद और समन्वयवाद देखने को मिलता है।

दारा शिकोह के बारे में

- वह शाहजहाँ का बड़े पुत्र थे।
- वह अपने भाई औरंगजेब के खिलाफ उत्तराधिकार की लड़ाई में हारने के बाद मारे गए थे।
- उन्हें एक "उदार मुस्लिम" के रूप में वर्णित किया गया है क्योंकि उन्होंने हिंदू और इस्लामी परंपराओं के बीच समानताएं खोजने की कोशिश की।
- उन्होंने फारसी में भागवत गीता और 52 उपनिषदों का अनुवाद किया।
- शाहजहाँनामा के अनुसार, औरंगजेब द्वारा दारा शिकोह को पराजित करने के बाद, वह दारा शिकोह को जंजीरों में जकड़ कर दिल्ली ले आया। उनका सिर काटकर आगरा के किले में भेज दिया गया, जबकि उनके धड़ को हुमायूँ के मकबरे के परिसर में दफना दिया गया था।

उनकी विरासत:

- दारा शिकोह को "उस समय के सबसे महान स्वतंत्र विचारकों में से एक" के रूप में वर्णित किया गया है।
- उन्होंने उपनिषदों की महानता को महसूस किया और उनका फ़ारसी में अनुवाद किया, जो पहले केवल कुछ उच्च जाति के हिंदुओं को ही पता था। उसके फ़ारसी अनुवादों ने, बहुत से स्वतंत्र विचारकों को प्रेरित किया है, जिनमें संयुक्त राज्य के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हैं।

- कुछ इतिहासकारों के अनुसार, अगर दारा शिकोह औरंगजेब के बजाय मुगल सिंहासन पर बैठता , तो वह धार्मिक संघर्षों में संलग्न हजारों लोगों की जान बचा सकता था।
- वह औरंगजेब की दंडात्मक और क्रूर नीतियों का पूर्ण विरोधी था, इसलिए उसे समन्वयक, सौहार्दपूर्ण और उदार माना जाता था।
- लेकिन साथ ही, वह युद्ध के क्षेत्र में एक उदासीन प्रशासक और निष्प्रभावी भी था।

एएसआई के सामने चुनौतियां:

- हुमायूँ के मकबरे के परिसर में एक छोटी सी कब्र है। परंतु वह वास्तव में दारा शिकोह की है ,यह कहना उचित नहीं है क्योंकि परिसर की अधिकांश कब्रों का कोई नाम नहीं है।
- इटालियन यात्री निकोलो मनुची ने अपनी **ट्रेवल्स ऑफ मनुची** में कब्र के गवाह के रूप में विवरण देने का प्रयास किया है।

हुमायूँ का मकबरा

- दिल्ली स्थित हुमायूँ का मकबरा महान **मुगल वास्तुकला** का बेहतरीन नमूना है।
- इस मकबरे का निर्माण वर्ष 1570 में हुआ था। यह भारतीय उपमहाद्वीप का पहला उद्यान-मकबरा था।
- इसकी अनोखी सुंदरता को अनेक प्रमुख वास्तुकलात्मक नवाचारों से प्रेरित कहा जा सकता है, जो अतुलनीय ताजमहल के निर्माण में प्रवर्तित हुआ।
- इसका निर्माण हुमायूँ के पुत्र **महान सम्राट अकबर** के संरक्षण में किया गया था।
- इसे **'मुगलों का शयनागार'** भी कहा जाता है क्योंकि इसके कक्षों में 150 से अधिक मुगल परिवार के सदस्यों की कब्रें दफ़न हैं।
- हुमायूँ का **मकबरा चारबाग शैली** (कुरान के स्वर्ग की चार नदियों के साथ चार चतुर्भुज उद्यान) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।